हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - I

(पाठ 1 से 10 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणी:

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिए:

निम्नलिखित पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

(क) खैर, खून, खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मदपान।

रहिमन दाबे ना दबैं, जानत सकल जहान।।

–उपर्युक्त दोहे का आशय स्पष्ट कीजिए। ऐसी किन्हीं दो घटनाओं का उल्लेख कीजिए जिनसे यह स्पष्ट हो कि दोहे में दी गई बातें समय आने पर मानवीय व्यवहार से प्रकट हो ही जाती हैं।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–

हल्दीघाटी के शिलाखंड!

ऐ दुर्ग! सिंह गढ़ के प्रचंड।

''राणा'' ''ताना'' का कर घमंड,

दे आज जगा स्म तियाँ ज्वलंत,

वीरों का कैसा हो वसन्त?

उपर्युक्त पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए इनके काव्य–सौंदर्य का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'वीरांगना' कविता में 'तपना, गलना, ढलना और गोली जैसा चलना' किस रूप में आए हैं? आप नारी के इन रूपों को अपने घर–परिवार में किस प्रकार देखते हैं? स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिए:

(क) 'फर्क' लघुकथा में आए कथन 'जानवर हैं, फर्क करना नहीं जानते' का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के अत्तर लिखिए:

तो यह निकली आ रही है बात में–से–बात कि किसी से कुछ लेना हो तो **झुकना** आवश्यक है। झुकना, क्या शरीर का? नहीं जी, यों झुककर, **दण्डवत्** लेटकर ही तो फौज के सिपाही गोलियाँ दागते हैं तो झुकना देह का नहीं, भाव का। साफ–साफ यों कि पाने के लिए नम्र होना आवश्यक है। लोकोक्ति है, बेटा बनकर सबने खाया, बाप बनकर किसी ने नहीं। यह बेटा बनना **नम्रता** ही तो है?

(i) विनम्र और पुलिस या फौजी के झुकने में क्या अंतर है?

(ii) रेखांकित शब्दों में आए प्रत्यय और मूल शब्द छाँटकर लिखिए।

(iii) 'झुकना देह का नहीं, भाव का' –अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'बेटा बनकर सबने खाया, बाप बनकर किसी ने नहीं–लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिए:

(क) 'इसे जगाओ' कविता के आधार पर समय पर सजग रहने के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। किसी ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जब सजग–सचेत न रहने के कारण आपको या आपके किसी परिचित को कष्ट भोगना पड़ा हो।

(ख) 'कथाओं, किस्सों एवं घटनाओं के उल्लेख से 'हमारा आदिवासी समाज' लेख रोचक बन पड़ा हैं। –इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

4. निम्नलिखित वाक्य–पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

व्योम के नीचे खुला आवास मेरा,
ग्रीष्म, वर्षा, शीत का अभ्यास मेरा,
झेलता हूँ, मार मारुत की निरन्तर,
खेलता यों जिन्दगी का खेल हँस कर।

शूल का दिन–रात में साथ
किन्तु प्रसन्न मन हूँ।
मैं सुमन हूँ।

तोड़ने को जिस किसी का हाथ बढ़ता,
मैं बिहंस उसके गले का हार बनता,
राह पर बिछना कि चढ़ना देवता पर,
बात हैं मेरे लिए दोनों बराबर।

मैं लुटाने को ह दय में
भरे स्नेहिल सुरभि–कन हूँ।
मैं सुमन हूँ।।

रूप का श्ंगार यदि मैंने किया है,
साथ शव का भी हमेशा ही दिया है;
खिल उठा हूँ यदि सुनहरे प्रात में मैं,
मुस्कराया हूँ अंधेरी रात में मैं,

मानता मैं इस सौंदर्य को
जीवन की कला का सन्तुलन हूँ
मैं सुमन हूँ।।

(i) सुमन को, जीवन में कौन सी कठिनाइयाँ आती हैं?

(ii) सुमन अपने अपकारी का भी किस प्रकार उपकार करता है?

(iii) सुमन 'कठिनाइयों का सामना किस प्रकार करता है?

(iv) इस कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

(v) इस कविता से आपको अपने जीवन में क्या प्रेरणा मिलती है? लिखिए।

5. **परियोजना कार्य**

उद्योग, राजनीति, विज्ञान तथा खेल–जगत में से किन्हीं तीन क्षेत्रों में उपलब्धियाँ प्राप्त करनेवाली प्रसिद्ध महिलाओं के विषय में निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर एक सुंदर सी परियोजना तैयार कीजिए:

(i) नाम (चित्र सहित)

(ii) जीवन–परिचय

(iii) व्यक्तित्व की विशेषताएँ

(iv) राष्ट्रीय विकास में योगदान

हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - II

(पाठ 11 से 20 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणीः

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिएः

(क) 'भारत की बहादुर बेटियाँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कल्पना चावला को अपनी मंजिल तक पहुँचने में किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा होगा? यदि आप कल्पना चावला की भाँति अपना कैरियर चुनते हैं तो आपको किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है? आप उनका समाधान किस प्रकार करेंगे, इसका भी उल्लेख कीजिए।

(ख) 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' कविता में प्रकृति के विभिन्न घटकों के माध्यम से समाज के उन दो प्रकार के लोगों का चित्रण किया गया है जिनमें एक ओर प्रकृति की गोद में पलने वाले सामान्य, सरल, स्वच्छंद प्रेम और सहयोग की भावना रखने वाले हैं और दूसरी ओर बगुले जैसे सफेदपोश, विद्वेष, कुर्सी के भूखे और देश को नोंचने–खसोटने की भावना वाले लोगों का चित्रण किया गया है। उदाहरण सहित स्थितियाँ स्पष्ट कीजिए।

(ग) पाठ संख्या ...... के पाँचवें सवैये की अंतिम पंक्ति ''आउरी बूझै जसोमति सों यह छोहरा जायो कि भय उपजायो'' के आधार पर गोपियों के मनोविज्ञान को स्पष्ट कीजिए। आपके विचार से क्या वास्तव में यशोदा अपने पुत्र क ष्ण को आवश्यकता से अधिक संरक्षण देती थीं? आज के समाज में यदि कोई व्यक्ति किसी माँ के पास उसके पुत्र की शिकायत लेकर आता है तो उस समय माँ की क्या प्रतिक्रिया होगी, अपने शब्दों में लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में लिखिएः

(क) यदि आपका प्रिय मित्र तीन वर्ष के बाद अचानक मिल जाए तो आप उसके साथ कैसे वार्तालाप करेंगे? अनौपचारिक भाषा का प्रयोग करते हुए एक वार्तालाप लिखिए। जब आप किसी व्यक्ति से पहली बार मिलते हैं तब क्या बातचीत होती है, औपचारिक वार्तालाप अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'बीती विभावरी जाग री' कविता में प्रकृति चित्रण के माध्यम से राष्ट्रीय जागरण का उद्‌बोधन है। कविता से उदाहरण देते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए।

3. तुलसी दास का पद ''जब–जब भवन बिलोकत सूनो'' के आधार पर कौशल्या के ह दय की व्यथा का वर्णन कीजिए। आपके परिवार से यदि कोई प्रिय लंबे समय के लिए विदेश चला जाए तो उस समय आपकी क्या मनोदशा होगी? उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक का भाव पल्लवन कीजिएः–

(क) जाको राखे साईयाँ मार सके ना कोय,

(ख) नेकी कर कुएँ में डाल

5. **परियोजना कार्य**

किसी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर पाँच वर्ष की अवस्था तक लगने वाले टीकों से संबंधित सूचनाएँ एकत्रित कीजिए। इन टीकों पर बनाए गए पोस्टर, बैनर और नारों के चार्ट एकत्रित कीजिए। सभी को फाइल में चिपकाते हुए सुंदर प्रस्तुति कीजिए। साथ ही इनमें प्रयुक्त भाषा संबंधी चार विशेषताएँ लिखिए।

हिंदी

(201)

मूल्यांकन पत्र - III

(पाठ 21 से 30 तक)

कुल अंक : 25

टिप्पणीः

(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर ऊपर की ओर अपना नाम, अनुक्रमांक, अध्ययन केंद्र का नाम, विषय आदि स्पष्ट शब्दों में लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 70-70 शब्दों में लिखिएः

(क) बाल मजदूरी एक अभिशाप है। फिर भी लोग घरों में छोटे बच्चों को नौकर क्यों रखते हैं? ऐसे बच्चों को घर में नौकर रखना उचित है या अनुचित? तर्क सहित उत्तर लिखिए।

(ख) प्रधानमंत्री, ग हमंत्री, वित्तमंत्री, सूचना एवं प्रसारणमंत्री और कानूनमंत्री के कार्यों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए कि ''जैसे कोई और हो'' पाठ में कंडक्टर ने इन सबकी भूमिका का निर्वाह किस प्रकार किया?

(ग) यात्रा–व त्तांत और डायरी लेखन में क्या अंतर है? डायरी लेखन को किस प्रकार यात्रा–व त्तांत में परिवर्तित किया जा सकता है–सोदाहरण उल्लेख कीजिए। आप छह दिन तक डायरी लिखिए। अपने लिखे हुए डायरी के इन छह प ष्ठों को यात्रा व त्तांत में परिवर्तित कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 60-80 शब्दों में लिखिएः

(क) ''सरकारी मकान'' कहानी का प्रतिपाद्य लिखते हुए इसके संदेश को स्पष्ट कीजिए। बुजुर्गों के साथ होनेवाले दुर्व्यवहार की कोई घटना। जो आपने पढ़ी, देखी या सुनी हो, को लिखते हुए सुमित्रा की स्थिति से उसकी तुलना कीजिए।

(ख) 'अखबार की दुनिया' पाठ के आधार पर निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिएः

(i) फीचर

(ii) ग्राफिक

(iii) संपादकीय

(iv) प्रिंट लाइन

(ग) किन्हीं दो समाचार–पत्रों से खेलजगत के समाचार एकत्रित कर उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए।

उन समाचारों की मेन हैडिंग की भाषा पर अपनी प्रतिक्रिया तर्क सहित लिखिए।

3. (क) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः

भारतीय किसान भाषा और भाव का धनी है। उसकी पैनी बुद्धि गाँव की चोखी कहावतों में जगमगाती है। मेल–जोल किसान के जीवन को बाँधने वाली रस्सी है, उसमें मिल–जुलकर जीवन चलाने का अद्‌भुत गुण है। खेती के गाढ़े समय में जब काम का तोड़ रहता है, वह

खुले जी से एक दूसरे का हाथ बँटाता है। जब वह खेती में उतरता है, खून–पसीना एक कर देता है। भारतीय किसान कथा वार्त्ता का भी प्रेमी रहा है। उसे अपने पूर्वजों के चरित्रों में रुचि है, लेकिन आज किसान की आत्मनिर्भरता धीरे–धीरे समाप्त होती जा रही है। एक–एक करके बाहरी कलकाँटे उसके जीवन पर छापा मार रहे हैं ओर वह उनके भ्रमजाल में पड़कर अपनी आर्थिक और बौद्धिक स्वतंत्रता खो रहा है। लगता है किसान न घर का रहेगा न घाट का।

आज तो उल्टी गंगा बहने लगी है। तिनकों का वस्त्र पहनने वाली गाँव की देवी लाल ईंट के मोह में फँस रही है। उसमें बिजली भरने की आवश्यकता है। हलघर मनोव त्ति के प्रचार से शहर और गाँव में किसान के जीवन के प्रति नई रुचि उत्पन्न होगी और संकल्पवान चित्रों में नये कार्यक्रम का उदय होगा।

(i) लेखक ने भारतीय किसान की किन विशेषताओं का वर्णन किया है?

(ii) किसानों के जीवन में हुए परिवर्तन के संबंध में लेखक कौन सी शंका प्रकट कर रहा है?

(iii) लेखक किस सावधानी की ओर संकेत कर रहा है?

(iv) हाथ बँटाना, खून–पसीना एक करना, न घर का न घाट का, उल्टी गंगा बहाना–मुहावरों का प्रयोग वाक्यों में इस प्रकार कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

(v) उपर्युक्त गद्यांश का सार लगभग एक तिहाई शब्दों में लिखिए।

(ख) किसी डाकघर से मनीआर्डर फार्म, तार भेजने का फार्म और रेलवे आरक्षण केन्द्र से आरक्षण प्रपत्र लीजिए और उन्हें भरकर अपनी उत्तर पुस्तिका में चिपकाइए।

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(क) पाँव पसारता आतंकवाद

(ख) प्रजातंत्र और चुनाव

(ग) जब आवै संतोषधन सब धन धूरी समान

5. निम्नलिखित को ध्यान पूर्वक पढ़िए और एक आकर्षक परियोजना तैयार कीजिएः–

अखबारों और पत्रिकाओं में से होली, दीपावली गुरुनानक जयंती, क्रिसमस–इन पाँच पर्वों से संबंधित चित्र और लेख एकत्रित कीजिए और क्रमशः अपनी फाइल में लगाइए। प्रत्येक पर्व की विशेषताएँ बताते हुए अपनी भाषा में एक–एक अनुच्छेद लिखिए।